भारत सरकार
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
औषध विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 952
दिनांक 03 दिसम्बर, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

चिकित्सा उपकरण पार्क

952. श्री राजा अमरेश्वर नाईक:
श्री सौमित्र खान:
डॉ. जयंत कुमार राय:
श्री नारणभाई काछड़िया:
श्री परबतभाई सवाभाई पटेल:
श्री भोला सिंह:
श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव:
डॉ. सुकान्त मजूमदार:
श्री विनोद कुमार सोनकर:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कार्यान्वित की जा रही 'चिकित्सा-उपकरण पार्कों को बढ़ावा देना' योजना का लक्ष्य क्या है और तत्संबंधी बजट परिव्यय कितना है;

(ख) क्या सरकार को गुजरात, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में चिकित्सा उपकरण पार्क स्थापित करने के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं;

(ग) यदि हां, तो राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार और परियोजना-वार तत्संबंधी ब्यौरा और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा चिकित्सा उपकरण पार्कों/चिकित्सा प्रौद्योगिकी पार्कों की स्थापना को बढ़ावा देने के लिए अन्य क्या उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं?

उत्तर
रसायन एवं उर्वरक मंत्री (डॉ. मनसुख मांडविया)

(क): "चिकित्सा उपकरण पार्कों का संवर्धन" योजना के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

(i) भारतीय चिकित्सा उपकरण उद्योग को वैश्विक अग्रणी बनाने के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी सुविधाओं का निर्माण।

(ii) बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा के लिए विश्व स्तरीय सामान्य बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के माध्यम से मानक परीक्षण और बुनियादी सुविधाओं तक आसान पहुंच के परिणामस्वरूप चिकित्सा उपकरणों के उत्पादन की लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी जिससे घरेलू बाजार में चिकित्सा उपकरणों की बेहतर उपलब्धता और वहनीयता होगी।

(iii) संसाधनों और इकोनामी ऑफ स्केल के अनुकूलन के कारण उत्पन्न होने वाले लाभों का लाभ उठाएं।

योजना का कुल परिव्यय 400 करोड़ रुपये है।

(ख) और (ग): सरकार को गुजरात, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश के प्रस्तावों सहित 16 राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन से प्रस्ताव प्राप्त हुए। पश्चिम बंगाल से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ। इन 16 प्रस्तावों में से सरकार ने हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के प्रस्तावों को "चिकित्सा उपकरण पार्कों का संवर्धन" योजना के तहत वित्तीय सहायता के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

(घ): "चिकित्सा उपकरण पार्कों का संवर्धन" योजना पूर्व में "साझा सुविधा केंद्र के लिए चिकित्सा उपकरण उद्योग को सहायता" योजना के रूप में कार्यान्वित की जा रही थी। "साँझा सुविधा केंद्र के लिए चिकित्सा उपकरण उद्योग को सहायता" योजना के तहत आंध्र प्रदेश मेड टेक ज़ोन लिमिटेड (एएमटीजेड) को सुपरकंडक्टिंग मैग्नेटिक कॉइल परीक्षण और अनुसंधान सुविधा के लिए साँझा सुविधा केंद्र की स्थापना हेतु 25 करोड़ रुपये तक की सहायता की अंतिम संस्वीकृति दी गई थी। एएमटीजेड को दो किश्तों में 14.99 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई है।

*****